MR. SPEAKER : I do not think any other question arises. Still the committee is going through it.

श्री० बो० पी० मौर्य : अध्यक्ष महोदय, उत्तर प्रदेश से प्राइम मिनिस्टर यहां आती हैं लेकिन बिजली के सम्बन्ध में वहां की स्थिति बड़ी ही भयंकर है। वह कभी मध्य प्रदेश से बिजली लेते है कभी राजस्थान मे लेते है। गढ़मुक्तेश्वर को कमेटी ने रिक्मेड किया है लेकिन उसके बारे मे कोई उत्तर नहीं आया है। आप कम से कम प्रश्न पूछ लेने दीजिए।... **(व्यवधान)**...यह बहुत महत्वपूर्ण सवाल है। कई महत्वपूर्ण बातों का जवाब अभी नही आया है।...**(व्यवधान)**...मुझे अच्छी तरह मे जानकारी है जब मैं लोक सभा का सदस्य था ...**(व्यवधान)**...जहां तक उत्तर प्रदेश का सवाल है, यह प्रश्न बहुत ही महत्वपूर्ण है। वहां पर टयूबवेल बेकार पड़े हुए है।...**(व्यवधान)** आप दूसरे प्रश्न पर चले गये। कम से कम सवाल का जवाब तो आने दीजिए, बिजली तो बाद में बनेगी बड़े अफसोस की बात है। ...**(व्यवधान)**...

MR. SPEAKER : I am not allowing any further questions. Next question.

Supply of News to Vernacular Press in Respective Languages

*222. SHRI M. KATHAMUTHU : Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING be pleased to state :

(a) whether there is any proposal that the News Agencies should supply news to the Vernacular Press in the respective languages ; and

(b) if so, the main features thereof ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING (SHRIMATI NANDINI SATPATHY) : (a) and (b). While P.T.I. and U.N.I. supply their news only in English, two other news agencies, namely, Hindustan Samachar and Samachar Bharati supply news in a number of Indian languages.

SHRI M. KATHAMUTHU : The minister says that only two news agencies are supplying news in a number of Indian languages. In order to help the growth of medium and small newspapers, may I know whether Governments has approached the PTI and UNI to supply news in different vernacular languages ? If so, what was their reaction ?

SHRIMATI NANDINI SATPATHY : The news agencies are independent bodies and Government has got no hold over them.

श्री जगन्नाथ राव जोशी : अध्यक्ष महोदय सरकार छोटे लोगों की बहुत बात करती है लेकिन बहुत सारे छोटे पत्र स्थानीय भाषाओं मे निकलते है और उनको यहां से वार्ता भेजने वाली भी छोटी छोटी संस्थायें है। मैं सरकार से पूछना चाहता हूं क्या ऐसी छोटी संस्थाओं पर ध्यान देकर उनको आवश्यक सुविधा और सहायता देने पर सरकार विचार कर रही है ताकि उनको प्रोत्साहन मिले और छोटे छोटे जिला स्तर पर जो पत्र निकलते है स्थानीय भाषा मे उनको वह वार्तायें भेज सकें ?

श्रीमती नंदिनी सत्पथी : "हिन्दुस्तान समाचार" और "समाचार भारती" ये दो न्यूज एजेन्सीज इंडियन लैंग्वेजेज मे न्यूज देती है और ये सस्थायें जो मदद गवर्नमेन्ट से चाहती है और जब जब चाहती है उस पर गवर्नमेन्ट बराबर विचार करती है और मदद भी देती है।

SHRI R. V. SWAMINATHAN : May I know what are the languages in which news are supplied by the other two news agencies she mentioned ?

SHRIMATI NANDINI SATPATHY : *Hindustan Samachar* is supplying news in Hindi, Punjabi, Urdu, Bengali, Oriya, Marathi, Assamese, Gujerati and Malayalam besides English. *Samachar Bharati* is supplying news in languages like Hindi Urdu, Gujerati, Marathi and Tamil.